



न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट, चांदपुर, बिजनौर

सरकार बनाम वीरवती आदि

जमानत प्रार्थना पत्र- 553/2026

मु.अ.सं.- 443/2026

धारा- 191(2), 190, 115(2), 351(2), 118(1) बी.एन.एस

थाना- चाँदपुर, बिजनौर

05.08.2026

प्रार्थीगण 1.वीरमवती पत्नी यशपाल 2.यशपाल पुत्र पतराम सिंह की ओर से यह जमानत प्रार्थना पत्र मु.अ.सं. 443/2026, अन्तर्गत धारा 191(2), 190, 115(2), 351(2), 118(1) बी.एन.एस, थाना चाँदपुर, जिला बिजनौर में आत्मसमर्पण कर जमानत हेतु प्रस्तुत किया गया है।

प्रार्थीगण की ओर से जमानत प्रार्थना पत्र में कथन किया गया है कि प्रार्थीगण वाद उपरोक्त में अभियुक्तगण है। प्रार्थीगण ने कोई अपराध कारित नहीं किया है। प्रार्थीगण निर्दोष है। प्रार्थीगण को झूठा फंसाया गया है। प्रार्थीगण उपरोक्त अपराध में दौरान विचारण अपनी उचित जमानत देने को तैयार है। अतः प्रार्थीगण को जमानत पर रिहा किये जाने की याचना की गई है।

विद्वान सहायक अभियोजन अधिकारी द्वारा जमानत प्रार्थना पत्र का विरोध किया गया है।

अभियुक्तगण न्यायिक अभिरक्षा में है।

सुना तथा प्रपत्रों का अवलोकन किया।

प्रपत्रों के अवलोकन से स्पष्ट है कि अभियुक्तगण पर जिस अपराध का अभियोग है वह मजिस्ट्रेट न्यायालय द्वारा विचारणीय है तथा सात वर्ष से कम के दंड से दंडनीय है। अतः प्रकरण के तथ्यों एवं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुये मामले पर गुण दोष पर कोई अभिमत व्यक्त किए बिना अभियुक्तगण को जमानत पर रिहा किये जाने हेतु आधार पर्याप्त हैं।

आदेश

अभियुक्तगण 1.वीरमवती पत्नी यशपाल 2.यशपाल पुत्र पतराम सिंह मु.अ.सं.-443/2026 अन्तर्गत धारा 191(2), 190, 115(2), 351(2), 118(1) बी.एन.एस, थाना चाँदपुर, जनपद बिजनौर, द्वारा 25,000-25,000/-रुपये की एक-एक प्रतिभू व इसी धनराशि के व्यक्तिगत बन्धपत्र दाखिल करने पर जमानत पर रिहा किया जाता है।

अरुण कुमार राणा
न्यायिक मजिस्ट्रेट, चांदपुर
बिजनौर

J.O.CODE-UP3660